B.A. I, Paper I, Sociology — M.A. JOHN

Elements of Culture – (तत्व)

संस्कृति का वास्तव में विभिन्न अंश सम्मिलित होते हैं, उन्हीं में से संस्कृति का एक महत्वपूर्ण अंश cultural element के रूप में जाना जाता है। संस्कृति की वह छोटी से छोटी इकाई जिसका इस से अधिक विभाजन नहीं किया जा सकता है उसे cultural elements कहा जाता है। जिस प्रकार पदार्थ की सबसे छोटी इकाई परमाणु है, शरीर की सब से छोटी इकाई कोष (cell) समाजिक संरचना की छोटी इकाई परिवार है उसी तरह से संस्कृति की सब से छोटी इकाई cultural elements है।

Dr. Dubey के अनुसार "सांस्कृतिक तत्वों को हम संस्कृति के गठन की सरलतम व्यवहारिक इकाई कह सकते हैं। Herskovits ने इसे एक विशिष्ट संस्कृति में पहचानी जाने वाली सबसे छोटी इकाई मानते हैं। Kroeber ने भी इसे संस्कृति का अल्पतम परिभाषित तत्व कहते हैं। Jacob and Stern के अनुसार "सांस्कृतिक तत्व संस्कृति की वह रचनात्मक इकाईयाँ हैं जिनका विवरण या सैद्धांतिक अध्ययन के लिए विभिन्न भागों में विभाजित किया जा सकता"

इन परिभाषाओं से यह स्पष्ट होता कि Cultural elements किसी भी संस्कृति की सबसे छोटी एवं नहीं विभाजित होने वाली इकाई है, यह भी संस्कृति ही के समान भौतिक तथा अभौतिक दोनों ही होती है।

Scanned by CamScanner

सांस्कृतिक तत्व के अविभाज्य होने का यह तात्पर्य नहीं है कि उसका और विभाजन नहीं हो सकता है। इसका अर्थ यह है कि इसका विभाजन होने पर वह अर्थपूर्ण नहीं रह जायेगा। उदाहरण के लिये कलम एक सांस्कृतिक तत्व है। यदि इसमें से Nib, आदि को अलग कर देते हैं तो यह विभाजन अर्थपूर्ण रूप में नहीं होगा। अतः सांस्कृतिक तत्वों की रचना में भी जटिलता होती है और उनका निर्माण भी तत्वों से मिलकर होता है। अतः स्पष्ट है कि सांस्कृतिक तत्व मानव के काम आने की दृष्टि से सबसे सरल, छोटी और आगे विभाजित न होने वाली इकाई है।

मानवशास्त्रियों ने भी संस्कृति के विभिन्न अंगों की व्याख्या की है 1917 में Wissler ने America की Indian संस्कृतियों का अध्ययन करते हुए इसके दो प्रमुख अंग बताये हैं। पहला सांस्कृतिक तत्व तथा दूसरा संस्कृति संकुल।

H. M. Johnson ने पांच प्रकार के Cultural elements सांस्कृतिक तत्वों की चर्चा की है

1. Congiontive Elements:
2. Beliefs
3. Values and Norms
4. Signs
5. Non-Normative way of behaving.

संस्कृति जो विभिन्न तत्वों से मिलकर बनती है वह अपनी अलग व्यवस्था का निर्माण करती है।
John Sons ने यह विचार दिया कि सब व्यवस्थाओं में एकता एवं सहयोग की मात्रा अलग अलग हो सकती है।

— X —

Scanned by CamScanner